डेल्हिवरी आईपीओ को 23 फीसदी, वीनस पाइप्स को 4.4 गुना आवेदन

लॉजिस्टिक्स कंपनी डेल्हिवरी के आईपीओ को 23 फीसदी आवेदन मिले जबकि वीनस पाइप्स ऐंड ट्यूब्स को 4.4 गुना आवेदन मिले। दोनों आईपीओ शुक्रवार को बंद होंगे। कंपनी पहले ही एंकर निवेशकों से 2,346 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। कंपनी नए शेयरों के जरिए 4,000 करोड़ रुपये जुटा रही है जबकि बाकी 1,235 करोड़ रुपये का ओएफएस है। इस बीच, वीनस पाइप्स इस आईपीओ के जरिये 165 करोड़ रुपये की नई पूंजी जुटा रही है।

प्रूडेंट कॉरपोरेट एडवाइजरी को महज 1.22 गुना बोली : प्रूडेंट कॉरपोरेट एडवाइजरी सर्विसेज का आईपीओ आखिर पूरा शेयर बेचने में कामयाब रहा और द्वितीयक बाजार में बिकवाली के बीच महज 1.22 गुना आवेदन मिले। इस आईपीओ को संस्थागत निवेश श्रेणी में 1.26 गुना आवेदन मिले जबकि एचएनआई श्रेणी में 99 फीसदी और खुदरा श्रेणी में 1.3 गुना आवेदन मिले। म्युचुअल फंड वितरक प्रूडेंट कॉरपोरेट ने आईपीओ का कीमत दायरा 595 से 630 रुपये प्रति शेयर तय किया है। यह आईपीओ पूरी तरह से ओएफएस है। कीमत दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन 2,600 करोड़ रुपये बैठता है।

फर्स्टमेरिडियन ने जमा कराया आईपीओ आवेदन : देश की तीसरी सबसे बड़ी स्टाफिंग कंपनी फर्स्टमेरिडियन बिजनेस सर्विसेज ने 800 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए सेबी के पास विवरणिका का मसौदा जमा कराया है। बेंगलूरु के एचआर सर्विस प्लेटफॉर्म की योजना इस आईपीओ में नए शेयर जारी कर 50 करोड़ रुपये जुटाने की है। बाकी 750 करोड़ रुपये के शेयर मौजूदा शेयरधारक बेचेंगे। साल 2018 में कंपनी का गठन हुआ था। *बीएस*

एसबीआई के लाभ में 60 फीसदी उछाल की उम्मीद

शुद्ध लाभ में बढ़ोतरी को शुद्ध ब्याज मार्जिन में सालाना आधार पर 19 फीसदी के इजाफे से सहारा मिलेगा

निकिता वशिष्ठ
नई दिल्ली, 12 मई

■एसबीआई का चौथी तिमाही का लाभ सालाना आधार पर 63 से 72 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 10,493 से 11,056.7 करोड़ रुपये के बीच रह सकता है

■शुद्ध ब्याज मार्जिन 3 से 3.12 फीसदी रह सकता है, जो वित्त वर्ष 22 की तीसरी तिमाही में 3.15 फीसदी रहा था

सरकारी स्वामित्व वाला भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) मार्च 2022 की तिमाही में शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर करीब 66 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज कर सकता है। यह विश्लेषकों का मानना है। उनका कहना है कि शुद्ध ब्याज आय में खासा सुधार और क्रेडिट बुक में मजबूत विस्तार से लाभ को सहारा मिला।

एसबीआई तिमाही नतीजा शुक्रवार 13 मई को घोषित करने वाला है। ब्रोकरेज के अनुमानों के मुताबिक, एसबीआई का चौथी तिमाही का लाभ सालाना आधार पर 63 से 72 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 10,493 से 11,056.7 करोड़ रुपये के बीच रह सकता है। वित्त वर्ष 22 की तीसरी तिमाही में एसबीआई का शुद्ध लाभ 8,432 करोड़ रुपये और पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 6,451 करोड़ रुपये रहा था।

नोमूरा के विश्लेषकों ने नतीजे पूर्व समीक्षा रिपोर्ट में कहा है, हमें लगता है कि शुद्ध लाभ सालाना आधार पर करीब 63 फीसदी बढ़ेगा, जिसे प्रावधान पूर्व लाभ में सालाना आधार पर 7 फीसदी की बढ़ोतरी से सहारा मिलेगा, लेकिन कम ट्रेजरी आय इसे सीमित करेगा।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने कहा है कि बॉन्ड प्रतिफल में इजाफे का ट्रेजरी आय पर असर पड़ सकता है।

इसके बावजूद कर पश्चात लाभ को शुद्ध ब्याज आय में सालाना आधार पर 19 फीसदी की बढ़ोतरी से सहारा मिलेगा, जो 32,100 करोड़ रुपये रह सकती है। एक साल पहले की समान अवधि में शुद्ध ब्याज आय 27,067 करोड़ रुपये और दिसंबर 2021 की तिमाही में 30,687 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज एसबीआई के लाभ का काफी सतर्क व आशावादी अनुमान 9,514.3 करोड़ रुपये दे रही है, जो सालाना आधार पर 47 फीसदी ज्यादा है। इसके अलावा जेफरीज का मानना है कि शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 99 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 12,900 करोड़ रुपये रहेगा।

ऋण व परिसंपत्ति गुणवत्ता

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के मुताबिक, एसबीआई का क्रेडिट ग्रोथ तिमाही दर तिमाही 4 फीसदी और सालाना आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 26.78 लाख करोड़ रुपये रहेगा। जिसे खुदरा, कॉरपोरेट और विदेशी उधारी से सहारा मिलेगा।

वैश्विक ब्रोकरेज सिटी का मानना है कि बैंक की लोनबुक सालाना आधार पर 10 फीसदी बढ़कर 26.84 लाख करोड़ रुपये रहेगी, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 24.5 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 22 की तीसरी तिमाही में 25.8 लाख करोड़ रुपये रही थी।

बैंक की जमाएं सालाना आधार पर 7 फीसदी और तिमाही आधार पर 2 फीसदी बढ़कर 39.43 लाख करोड़ रुपये रह सकती है, जो वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में 36.8 लाख करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 22 की तीसरी तिमाही में 38.5 लाख करोड़ रुपये रही थी।

इस पृष्ठभूमि में शुद्ध ब्याज मार्जिन 3 से 3.12 फीसदी रह सकता है, जो वित्त वर्ष 22 की तीसरी तिमाही में 3.15 फीसदी रहा था। वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में शुद्ध ब्याज मार्जिन 2.9 फीसदी रहा था। परिसंपत्ति गुणवत्ता के संदर्भ में मॉर्गन स्टैनली का मानना है कि बैंक लगातार बेहतर प्रदर्शन करेगा और फंसे कर्ज की वसूली में लगातार सुधार लाएगा।

ब्रोकरों ने सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात 4.3 प्रतिशत पर तय किया है, जो तिमाही आधार पर 4.5 प्रतिशत और सालाना आधार पर 5 प्रतिशत की वृद्धि है। शुद्ध एनपीए अनुपात 1.2 प्रतिशत पर दर्ज किया गया, जबकि तिमाही आधार पर यह 1.3 प्रतिशत और सालाना आधार पर 1.5 प्रतिशत रहा। तिमाही आधार पर प्रावधान संबंधित खर्च में इजाफा हो सकता है और ब्रोकरों को यह 7,110 करोड़ रुपये से 10,040.7 करोड़ रुपये के बीच रहने का अनुमान है, जो तिमाही आधार पर 6,974.1 करोड़ रुपये से ज्यादा है।